अव्यक्त पालना का रिटर्न

महारथियों की विशेषता

1 जो सर्व की सन्तुष्टता का सर्टिफिकेट लेवें। तब कहेंगे महारथी।

2 सन्तुष्टता ही श्रेष्ठता व महानता है।

3 प्रजा भी इस आधार से बनेगी। सन्तुष्ट हुई आत्मायें उनको राजा मानेंगी।

4 कोई–न–कोई सेवा सहयोग द्वारा प्राप्त कराई हो – स्नेह की, सहयोग की, हिम्मत–उल्लास की और शक्ति दिलाने की प्राप्ति कराई हो तो महारथी और अगर सन्तुष्टता न कराई है तो नाम के महारथी हैं, वे काम के नहीं। परन्तु यह सन्तुष्टता का सर्टिफिकेट ज़रूर लेना है।

5 यह चेकिंग करो कि – "कितनी आत्मायें मेरे से सन्तुष्ट हैं और मुझे क्या करना है जो मेरे से सब सन्तुष्ट रहें"।

31.10.75

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न :-महारथी में कौन सी शक्ति होनी चाहिए?

उत्तर :- बापदादा समझानी दे रहे हैं :-

1. महारथी में स्वयं को मोल्ड करने की शक्ति होनी चाहिए।

2. मोल्ड करने वाला ही गोल्ड होता है।

3. जो मोल्ड नहीं कर सकते वो रीयल गोल्ड नहीं हैं, मिक्स हैं।

4. मिक्स होना अर्थात् घोड़ेसवार। महारथी मोल्ड होता है।

31.10.75

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, स्थापना के कार्य को प्रख्यात करने की समझानी क्या है?

बापदादा :-

मीठे बच्चे, स्थापना के कार्य को प्रख्यात करने का जो प्लैन बनाया है वह अच्छा है।

✷ प्रख्यात करने के लिये प्लैन तो दूसरे वर्ष का बनाया है, लेकिन इस वर्ष का जो कुछ समय अभी रहा हुआ है, इस समय ही हर एक स्थान पर वर्तमान वातावरण के अनुसार सम्पर्क में आने वाले व्यक्ति ज़रूर चाहिएँ।

✷ दूसरे वर्ष की सर्विस की सफलता इस वर्ष के आधार पर होगी। कोई भी प्रोपेगण्डा में ऐसी सहयोगी आत्माओं का सहयोग चाहिये, जिससे एक तो 'कम खर्च बाला नशीन' द्वारा मेहनत कम सफलता अधिक होती है।

✷ समय प्रमाण आप उन्हों की सेवा करेंगे तो सहयोग नहीं मिल सकेगा। लेकिन समय के पहले सेवा कर सहयोग लेने का प्रभाव पड़ता है।

31.10.75

31-10-75 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं महारथी हूँ।

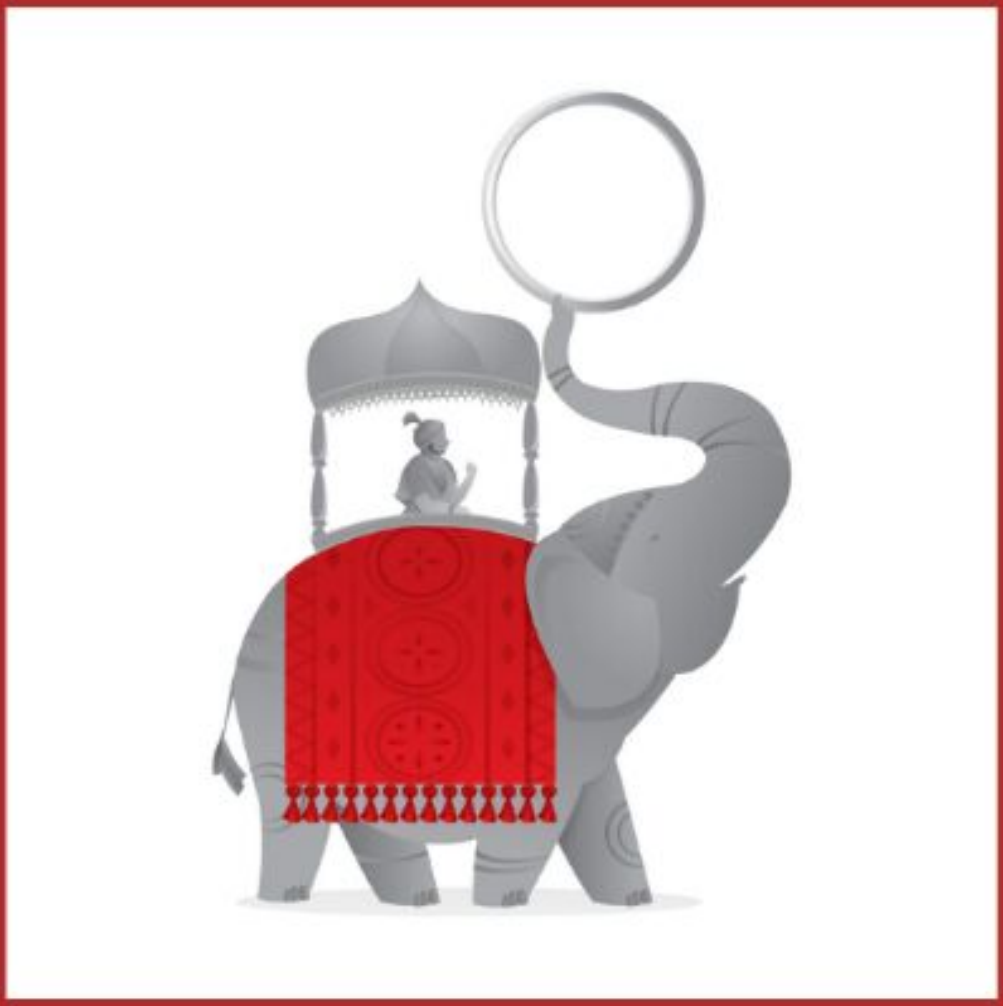

महारथी अर्थात् सर्व की सन्तुष्टता का सर्टिफिकेट लेने वाली। स्वयं को मोल्ड करने वाली। प्योरिटी और यूनिटी की विशेषता से सम्पन्न।

31-10-75

महारथी की विशेषताओं को इस वर्ष धारण करो

महारथी मोल्ड होता है। मोल्ड करने वाला ही गोल्ड है।

- महारथियों की विशेषता यह है कि जो सर्व की सन्तुष्टता का सर्टिफिकेट लेवें।
- सन्तुष्टता ही श्रेष्ठता व महानता है
- स्वयं को मोल्ड करने की शक्ति
- सफलता - मूर्त के लिए धारणा प्योरिटी और यूनिटी

प्योरिटी सिर्फ ब्राह्मचर्य व्रत को नहीं कहा जाता, संकल्प, स्वभाव, संस्कार में भी प्योरिटी मानों एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या या घृणा का संकल्प है; तो प्योरिटी नहीं, इमप्योरिटी कहेंगे।

यूनिटी अर्थात् संस्कार-स्वभाव के मिलन की यूनिटी कोई का संस्कार और स्वभाव न भी मिले तो भी कोशिश करके मिलाओ। यह है यूनिटी। सिर्फ संगठन को यूनिटी नहीं कहेंगे।